1. राख की रस्सी

शब्दार्थ

शब्द	अर्थ	शब्द	अर्थ
हाज़िरजवाबी	= किसी बात का जवाब तुरंत देना	होशियार	= बुद्धिमान
समस्या	= कठिनाई	रवाना	= भेजना
आपबीती	= अपने साथ हुई कोई घटना	हल करना	=समस्या को सुलझाना, कठिनाई का दूर होना
यकीन	= विश्वास, भरोसा	हवाले	= सौंपते हुए, देते हुए
विजयी भाव	= जीतने का भाव	संदेश	= खबर, समाचार
असंभव	= न हो सकने वाला, नामुमकिन	मंजूर	= मान लेना
चकित	= हैरान	धरी रह गई	=रखी रह गई
बिना वक्त गँवाए	= समय खोए बिना	प्रस्ताव	= बात

अतिरिक्त प्रश्नोत्तर :–

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

(i) सौनगवसैन गांपो कौन थे?

(ii) उस राजा के मंत्री का नाम क्या था?

(iii) मंत्री की चिंता का कारण क्या था?

iv) मंत्री ने अपने बेटे को कहाँ भेजा और किसलिए?

(v) लड़के की मदद किसने और कैसे की?

(vi) लड़की ने भेड़ के सींग क्यों काटे?

(vii) मंत्री ने लड़की को क्या संदेश भेजा?

(viii) लड़की ने क्या शर्त रखी?

2. दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए—

बेटा — ....

किनारा — ....

पिता — ....

3. विलोम शब्द लिखिए—

दूर × .....

असंभव × .....

पाठ्य पुस्तक अभ्यास प्रश्न

भोला -भाला

1 तिब्बत के मंत्री अपने बेटे के भोलेपन से चिंतित रहते थे।

(क) तुम्हारे विचार से वे किन किन बातों के बारे में सोच कर परेशान होते थे?

उत्तर: मंत्री जी का बेटा बड़ा हो गया था। वह बहुत भोला-भाला था। बिल्कुल भी होशियार नहीं था। उनके बाद बेटे का काम कैसे चलेगा? वह जीवन में क्या करेगा? उसे कोई भी आसानी से बेवकूफ बना देगा । उसका जीवन बहुत कठिन होने वाला है। यह सब सोचकर मंत्री जी चिंतित रहते थे।

(ख) तुम तिब्बत के मंत्री की जगह होती तो क्या उपाय करती?

उत्तर: वह भोला भाला परंतु सक्षम था। मैं उसे जीवन के लिए आवश्यक सभी काम सिखाती। उसे लोगों से मिलने जुलने के मौके देती ताकि वह उनके व्यवहार को समझ सकता। उसे गलतियां करने देती और उनसे सीखने देती। साथ ही उसे पढ़ने के लिए प्रेरित करती।

शहर की तरफ

1 मंत्री ने अपने बेटे को शहर की तरफ रवाना किया।

(क) मंत्री ने अपने बेटे को शहर क्यों भेजा था?

उत्तर: मंत्री अपने बेटे को जीने की कला सिखाना चाहता था। जीवन में आने वाली मुश्किलों से सामना करना सिखाना चाहता था। उसे अच्छे और बुरे में फर्क करना सिखाना चाहता था। उसकी सूझबूझ की परीक्षा भी लेना चाहते थे। इसलिए उन्होंने अपने बेटे को शहर भेजा था।

(ख) उसने अपने बेटे को भेड़ों के साथ शहर में ही क्यों भेजा?

उत्तर: मंत्री ने अपने बेटे को शहर इसलिए भेजा होगा ताकि वह अधिक लोगों के संपर्क में आए। वह जितने अधिक लोगों से मिलता उसे उतने ही प्रकार के अच्छे और बुरे अनुभव प्राप्त होते। इन अनुभवों के आधार पर वह सच्चे और झूठे लोगों में फर्क करना सीखाता। इससे उसकी समझ बढ़ती और होशियारी से जीना सीखता।

2 "जौ" एक तरह का अनाज है जिसे कई तरह से इस्तेमाल किया जाता है। इसकी रोटी बनाई जाती है। सत्तू बनाया जाता है और सूखा भूनकर भी खाया जाता है। अपने घर में और स्कूल में बातचीत करके कुछ और अनाजों के नाम पता करो

गेहूं, जौ

उत्तर: 1 रागी, 2 बाजरा, 3 ज्वार, 4 चावल, 5 जई

तुम सेर, मैं सवा सेर

2 मंत्री ने बेटे से कहा, "पिछली बार भेड़ों के बाल उतारकर बेचना मुझे जरा भी पसंद नहीं आया। " क्या मंत्री को सचमुच यह बात पसंद नहीं आई थी उत्तर का कारण भी बताओ

उत्तर: मुझे लगता है, मंत्री समझ गए थे कि जिस लड़की ने यह तरकीब उनके लड़के को बताई थी, वह अवश्य ही बहुत समझदार और चालाक थी। वह उसकी चतुराई को एक बार और परखना चाहते थे। उसमे वह अपनी बहु देख रहे थे । इसलिए उन्होंने कहा होगा कि उन्हें भेड़ों के बाल उतार कर बेचना पसंद नहीं आया।

** Complete all the work in the Hindi Lit Class work copy with good handwriting. Thank you.